PAPER-III
MAITHILI

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ____________________

   (Name) ____________________

2. (Signature) ____________________

   (Name) ____________________

J	1	8	1	3

OMR Sheet No. : ....

(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No.____________________

(In words)

Time : 2 $^{1}/_{2}$ hours] [Maximum Marks : **150**

Number of Pages in this Booklet : **8**

Number of Questions in this Booklet : **75**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of seventy five multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal / polythene bag on the booklet. Do not accept a booklet without sticker-seal / without polythene bag and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (A), (B), (C) and (D). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.
   Example : Ⓐ Ⓑ ● Ⓓ
   where (C) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Booklet only.** If you mark at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are however, allowed to carry duplicate copy of OMR Sheet on conclusion of examination.
10. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There is no negative marks for incorrect answers.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचहत्तर बहुविकल्पीय प्रश्न हैं ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए पुस्तिका पर लगी कागज की सील / पोलिथीन बैग को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील / बिना पोलिथीन बैग की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
   (iii) इस जाँच के बाद OMR पत्रक की क्रम संख्या इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें ।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (A), (B), (C) तथा (D) दिये गये हैं । आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है ।
   उदाहरण : Ⓐ Ⓑ ● Ⓓ जबकि (C) सही उत्तर है ।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पुस्तिका के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही** अंकित करने हैं । यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिह्नांकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा ।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें ।
8. यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें । हालांकि आप परीक्षा समाप्ति पर OMR पत्रक की डुप्लीकेट प्रति अपने साथ ले जा सकते हैं ।
10. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**
12. **गलत उत्तरों के लिए कोई अंक काटे नहीं जाएँगे ।**

मैथिली

प्रश्नपत्र – III

नोट : एहि प्रश्नपत्रमे **पचहत्तरि** (75) बहु-विकल्पीय प्रश्न अछि । प्रत्येक प्रश्नक **दू** (2) अंक अछि । **सभ** प्रश्न अनिवार्य अछि ।

1. ‘कृष्ण-जन्म’ लिखने छथि
(A) बदरीनाथ झा (B) सीताराम झा
(C) मनबोध (D) जीवनाथ झा

2. सर्गबद्धता आवश्यक होइछ
(A) कथाकाव्यमे
(B) महाकाव्यमे
(C) मुक्तक काव्यमे
(D) चम्पू काव्यमे

3. ऐतिहासिक महाकाव्य थिक
(A) चाणक्य
(B) एकावली-परिणय
(C) नटवरलीला महाकाव्य
(D) प्रतिज्ञा पाण्डव

4. “पलको भरि कुच-चक्रवाक जोड़ी बिछुड़ए नहि” मे अलंकार अछि
(A) अतिशयोक्ति (B) दृष्टान्त
(C) प्रतीप (D) रूपक

5. “हा रघुनाथ अनाथ जकाँ दशकण्ठपुरी हम आइलि छी” लेल गेल अछि
(A) ‘रमेश्वरचरित मिथिला रामायण’सँ
(B) ‘मिथिलाभाषा रामायण’सँ
(C) ‘सीतायन’सँ
(D) ‘अम्बचरित’सँ

6. ‘चाणक्य’ मे अंगी रस अछि
(A) करुण (B) शृंगार
(C) वीर (D) शान्त

7. ‘मिथिलाभाषा रामायण’ मे लंका-दहनक वर्णन अछि
(A) बालकाण्डमे
(B) अयोध्याकाण्डमे
(C) किष्किन्धाकाण्डमे
(D) सुन्दरकाण्डमे

8. सर्वाधिक छन्दक प्रयोग भेल अछि
(A) ‘रमेश्वरचरित मिथिला रामायण’ मे
(B) ‘मिथिलाभाषा रामायण’ मे
(C) ‘कृष्णचरित’ मे
(D) ‘चाणक्य’ मे

9. ‘लक्ष्मीश्वर-विलास’ क प्रणयन कएने छथि
(A) चन्दा झा
(B) लालदास
(C) दीनानाथ पाठक ‘बन्धु’
(D) मैथिलीपुत्र ‘प्रदीप’

10. ‘कवीश्वर’ कहल जाइत छथि
(A) भोलालाल दास
(B) बदरीनाथ झा
(C) चन्दा झा
(D) सीताराम झा

11. ‘अम्बचरित’ थिक
(A) महाकाव्य
(B) खण्डकाव्य
(C) मुक्तककाव्य
(D) दृश्यकाव्य

12. ‘तुर्वसु’ क वर्णन भेल अछि
(A) ‘राधा-विरह’ मे
(B) ‘एकावली-परिणय’ मे
(C) ‘दत्त-वती’ मे
(D) ‘कादम्बरी’ मे

13. ‘शकुन्तला’ खण्डकाव्य लिखने छथि
(A) उपेन्द्र नाथ झा ‘व्यास’
(B) अमरेन्द्र मिश्र
(C) लक्ष्मण झा
(D) दामोदर लाल दास

14. केदारनाथ लाभ लिखने छथि
(A) पतन (B) उत्तरा
(C) भारती (D) एकलव्य

15. 'दुष्यन्त' क चरित्र वर्णित भेल अछि
(A) 'गंगा' मे
(B) 'शकुन्तला' मे
(C) 'उत्सर्ग' मे
(D) 'लखिमारानी' मे

16. इन्द्रक पलायनक पश्चात् देवताक राजा भेलाह
(A) बृहस्पति (B) अगस्त्य
(C) विश्वामित्र (D) नहुष

17. "दुर्ग दुर्ग बड़ अति उ तुंग गुंबज नभ चुम्बित
जतय अटारी टारि-टारि घन उन्नत लम्बित"
वर्णन थिक
(A) जौनपुरक
(B) इन्द्रप्रस्थक
(C) विराट नगरक
(D) पाटलिपुत्रक

18. 'उत्तरा' मे सर्गक संख्या अछि
(A) छओ
(B) सात
(C) आठ
(D) नओ

19. कीचकक वध भेल अछि
(A) 'अशोकपुत्र' मे
(B) 'सीता' मे
(C) 'स्वयंप्रभा' मे
(D) 'उत्तरा' मे

20. 'एकलव्य' खण्डकाव्यक रचना कएने छथि
(A) यागेश्वर झा
(B) केदारनाथ लाभ
(C) अमरेन्द्र मिश्र
(D) लक्ष्मण झा

21. 'लोक लक्षण' लिखने छथि
(A) सीताराम झा
(B) भोलालाल दास
(C) रघुनन्दन दास
(D) भुवनेश्वर सिंह 'भुवन'

22. "अछि सलाइमे आगि बरत की बिना रगड़ने ।
पायब निज अधिकार कतहु की बिना झगड़ने ।।"
लिखने छथि
(A) तन्त्रनाथ झा
(B) सुरेन्द्र झा 'सुमन'
(C) वैद्यनाथ मल्लिक 'विधु'
(D) सीताराम झा

23. 'अपूर्व रसगुल्ला'क रचयिता छथि
(A) चन्द्रनाथ मिश्र 'अमर'
(B) काशीकान्त मिश्र 'मधुप'
(C) रमानाथ मिश्र 'मिहिर'
(D) जय प्रकाश चौधरी 'जनक'

24. सुरेन्द्र झा 'सुमन' एकहि ऋतुमे सभ रसक वर्णन कएने छथि
(A) 'प्रतिपदा' मे
(B) 'कथा यूथिका' मे
(C) 'साओन-भादव' मे
(D) 'अर्चना' मे

25. "अक्षर-अक्षरमे अनुप्रास, पद-पदमे यमक, वाक्य-वाक्यसँ रस टपकैत" ई टिप्पणी कहल गेल अछि
(A) व्यासक प्रसंग
(B) यात्रीक प्रसंग
(C) सुमनक प्रसंग
(D) मधुपक प्रसंग

26. "उठह कवि तोँ दहक ललकारा कने
गिरि शिखर पर पथिक दल चढ़तैक रे"
उक्ति थिकनि
(A) हरिमोहन झाक
(B) 'यात्री'क
(C) रघुनन्दन दासक
(D) 'रमाकर'क

27. 'सूर्यमुखी' पर पुरस्कार प्राप्त कएने छथि
(A) उदयचन्द्र झा 'विनोद'
(B) रामलोचन ठाकुर
(C) आरसी प्रसाद सिंह
(D) कीर्ति नारायण मिश्र

28. “जग कैँ युग परतारि रहल अछि” लिखने छथि
(A) सोमदेव
(B) चन्द्रनाथ मिश्र ‘अमर’
(C) रमानन्द रेणु
(D) भोलालाल दास

29. ‘नाचू हे पृथ्वी’ अछि
(A) खण्डकाव्य
(B) कथाकाव्य
(C) गीतकाव्य
(D) मुक्तककाव्य

30. ‘भावाञ्जलि’ थिक
(A) शोककाव्य
(B) व्यंग्यकाव्य
(C) प्रशस्तिकाव्य
(D) भक्तिकाव्य

31. ‘कार्तिक धवल त्रयोदशी’ संगृहीत अछि
(A) ‘वीणा’ मे
(B) ‘नाम तँ थिक वैह’ मे
(C) ‘धूरी’ मे
(D) ‘की फूरैए की ने’ मे

32. भूपतीन्द्रमल्ल नाटककार थिकाह
(A) आसामक
(B) नेपालक
(C) मिथिलाक
(D) बंगालक

33. आसाममे लिखल गेल अछि
(A) सामवती पुनर्जन्म
(B) चीनीक लड्डू
(C) राम विजय
(D) सुन्दर संयोग

34. नेपालीय नाटक थिक
(A) पार्वती परिणय
(B) मुद्राराक्षस
(C) शकुन्तला
(D) हर गौरी विवाह

35. “कतओ जतन धरि जौँ परिपालिअ
साप न मानय पोसे” उक्ति थिकनि
(A) रमापतिक
(B) उमापतिक
(C) गोविन्ददासक
(D) लोचनक

36. ‘पारिजातहरण’ मे पारिजात नाम थिक
(A) नायिकाक
(B) पत्रक
(C) पुष्पक
(D) फलक

37. ‘लेटाइत आँचर’ लिखने छथि
(A) कमल कान्त झा
(B) भाग्य नारायण झा
(C) गोविन्द झा
(D) सुधांशु ‘शेखर’ चौधरी

38. ‘पिपासा’ अछि
(A) कथा (B) एकांकी
(C) कविता (D) नाटक

39. ‘नो इन्ट्री ! मा प्रविश !!’ लिखने छथि
(A) उदय नारायण सिंह ‘नचिकेता’
(B) राम नरेश सिंह
(C) राजाराम प्रसाद
(D) अशोक अविचल

40. ‘कोशी कातक राम लक्ष्मण आ सीता’ क प्रणेता छथि
(A) महेन्द्र नारायण राम
(B) वीरेन्द्र झा
(C) महेन्द्र मलङिया
(D) राम भरोस कापड़ि ‘भ्रमर’

41. पत्रात्मक शैलीमे उपन्यास लिखने छथि
(A) वैद्यनाथ मिश्र ‘यात्री’
(B) उपेन्द्रनाथ झा ‘व्यास’
(C) मायानन्द मिश्र
(D) योगानन्द झा

42. 'नैका बनिजारा' पर 'साहित्य अकादेमी' पुरस्कार प्राप्त कएने छथि
(A) गंगेश गुंजन
(B) गिरीन्द्र मोहन मिश्र
(C) ब्रजकिशोर वर्मा 'मणिपद्म'
(D) यशोधर झा

43. 'नवारम्भ' लिखने छथि
(A) लिली रे
(B) केदारनाथ चौधरी
(C) जगदीश प्रसाद मंडल
(D) प्रभास कुमार चौधरी

44. 'घरदेखिया' क लेखक थिकाह
(A) मनमोहन झा
(B) सुभाष चन्द्र यादव
(C) काञ्चीनाथ झा 'किरण'
(D) राजमोहन झा

45. 'चन्द्रबिन्दु' अछि
(A) नाटक (B) उपन्यास
(C) कथा (D) कविता

46. 'चित्रा' क भूमिका लिखने छथि
(A) जयकान्त मिश्र
(B) श्रीकृष्ण मिश्र
(C) सुधांशु 'शेखर' चौधरी
(D) राधाकृष्ण चौधरी

47. 'समीक्षावृत्ति' निबन्धक लेखक छथि
(A) शैलेन्द्र मोहन झा
(B) रमानाथ झा
(C) जयदेव मिश्र
(D) उमेश मिश्र

48. मैथिली नाटक आ रंगमंचपर समालोचना-ग्रंथ प्रकाशित छनि
(A) रमानन्द झा 'रमण'क
(B) शिवशंकर झा 'कान्त'क
(C) महेन्द्र झाक
(D) प्रेमशंकर सिंहक

49. 'गल्तीनामा'क लेखक छथि
(A) राजमोहन झा
(B) नरेन्द्र झा
(C) मोहन भारद्वाज
(D) ताराकान्त झा

50. सुधाकर झा 'शास्त्री' पर विनिबन्ध लिखने छथि
(A) अमरनाथ झा
(B) किशोर नाथ झा
(C) देवेन्द्र झा
(D) जयधारी सिंह

51. "वृक्षक नूतनता, पल्लवक उद्गम, कुमुदक संभार, मलयानिलक वेग, कोकिलाक कलरव" मे वर्णन अछि
(A) शरदक
(B) वसन्तक
(C) पावसक
(D) ग्रीष्मक

52. 'चन्द्रग्रहण' लिखने छथि
(A) गंगानन्द सिंह
(B) भुवनेश्वर सिंह 'भुवन'
(C) काञ्चीनाथ झा 'किरण'
(D) भोलालाल दास

53. 'प्रवास जीवन' अछि
(A) साक्षात्कार
(B) यात्रा वृत्तान्त
(C) आत्मकथा
(D) ललित निबन्ध

54. समालोचकक रूपमे प्रसिद्ध छथि
(A) काशीकान्त मिश्र 'मधुप'
(B) अनन्त बिहारी लाल दास 'इन्दु'
(C) नित्यानन्द लाल दास
(D) राधाकृष्ण चौधरी

55. 'विद्यापति' पोथी लिखने छथि
(A) रमाकान्त मिश्र
(B) जयदेव मिश्र
(C) शैलेन्द्र मोहन झा
(D) विद्यानाथ झा 'विदित'

56. मैथिली उपन्यास साहित्यपर आलोचनात्मक पोथी प्रकाशित छनि
(A) लेखनाथ मिश्रक
(B) अमरेश पाठकक
(C) आनन्द मिश्रक
(D) नवीन चन्द्र मिश्रक

57. 'वैदेही' क प्रकाशन प्रारम्भ भेल
(A) जयपुरसँ
(B) प्रयागसँ
(C) दरभंगासँ
(D) सीतामढ़ीसँ

58. 'मिथिला मिहिर'क पुन: प्रकाशन आरम्भ भेल
(A) कोलकातासँ
(B) मुज़फ्फरपुरसँ
(C) पटनासँ
(D) अजमेरसँ

59. 'मिथिला मोद'क प्रकाशन प्रारम्भ भेल
(A) 1904 मे
(B) 1905 मे
(C) 1906 मे
(D) 1907 मे

60. लोकगाथा पर आधारित उपन्यास अछि
(A) माहुर
(B) मधुश्रावणी
(C) उगनाक दयादवाद
(D) दुलरा दयाल

61. लोककथाक वर्णन अछि
(A) 'नहला पर दहला' मे
(B) 'अश्रुकण' मे
(C) 'गोनू विनोद' मे
(D) 'जल समाधि' मे

62. लोकनाट्य थिक
(A) बसात
(B) जटा-जटिन
(C) मनोरथ
(D) हाथीक दाँत

63. "की करब जप तप जोग धेआने
जनम कृतारथ एकहि सनाने" एहि मे स्तुति अछि
(A) कमलाक (B) कोशीक
(C) वागमतीक (D) गंगाक

64. "सखि हे हमर दुखक नहि ओर
ई भर बादर माह भादर सून मन्दिर मोर" मे वर्णन अछि
(A) अभिसारक (B) मिलनक
(C) विरहक (D) वैराग्यक

65. रामभद्रपुर पदावली कैँ आकर स्रोत कहल जाइत अछि
(A) 'गोविन्ददास भजनावली'क
(B) 'विद्यापति पदावली'क
(C) 'चन्द्र पद्यावली'क
(D) 'साहेब रामदास गीतावली'क

66. विद्यापतिक कृति थिकनि
(A) श्रृंगार भजनावली
(B) चतुर चतुर्भुज
(C) धूर्त्त समागम
(D) दुर्गाभक्ति तरंगिणी

67. "गेहे गेहे कलौ काव्यं श्रोता तस्य पुरे पुरे" ई पाँती अछि
(A) 'रघुवंश' मे
(B) 'पुरुष-परीक्षा' मे
(C) 'कीर्त्तिलता' मे
(D) 'धम्म पद' मे

68. "अरे बाबा दावानल सदृश लंका जरइये अधर्मी लंकेशो तनिक सब पापे करइये" लेल गेल अछि
(A) 'रमेश्वर चरित मिथिला रामायण' सँ
(B) 'मिथिलाभाषा रामायण' सँ
(C) 'सीतायन' सँ
(D) 'रावणवध' सँ

69. 'मिथिलाभाषा रामायण' मे काण्डक संख्या अछि
(A) सात
(B) आठ
(C) नओ
(D) दस

70. “कयल उपद्रव सभ जनक देखता भलेँ जमाय टेंगरा पोठी चाल दै …….. सीर बिसाय ।”

(A) बुआरीक

(B) भाकुरक

(C) रोहुक

(D) भुन्नाक

निर्देश : निम्न गद्यांशकेँ ध्यानपूर्वक पढ़ि ओहिसँ सम्बद्ध प्रश्नावली (प्रश्न संख्या **71** सँ **75**) क उत्तरक लेल देल गेल बहुविकल्पसँ सही विकल्पक चयन करू –

ई अवहेलनाक भावना अङरेजी शिक्षाक प्रचार भेने नष्ट भ' गेल । अङरेजी शिक्षामे जनभाषाकेँ मुख्य स्थान देल जाइत छैक । मिथिलामे जनभाषाक साहित्यकेँ बुद्धिक सर्वाङ्गीन विकास करबाक उपयुक्त साधन बुझबाक प्रेरणा निश्चिते अङरेजी शिक्षा प्रणालीएसँ आयल अछि । ओना, अङरेजी शिक्षा मिथिलामे बहुत देरीसँ प्रचलित भेल । स्वाभाविक छल जे पुरातनप्रेमी, प्राचीनताक पोषक, सनातनधर्मावलम्बी कट्टर मैथिल जनताकेँ पाश्चात्य शिक्षा-प्रणाली विलम्बेसँ रुचिपर चढ़ल होयतनि । जखन क्रमश: आधुनिक जगतमे अङरेजी शिक्षा द्वारा उन्नति ओ प्राचीन भारतीय शिक्षा-प्रणाली द्वारा आधुनिक जीवनमे अवनति देखि अर्थकरी विद्या दिस लोकक ध्यान जाय लगलनि, तखन अङरेजी शिक्षाक बाढ़ि देशमे आब' लागल पैद्य-पैद्य पण्डितक घरमे निष्णात परम्परागत प्राचीन शिक्षा-पद्धतिक मुख्य-मुख्य केन्द्रमे लोक अङरेजी शिक्षा अपनाब' लागल । फलस्वरूप लोकमे, अङरेजी शिक्षासँ शिक्षित वा प्रभावित जनतामे, साहित्य दिस, विशेषक' भाषा-साहित्य दिस ध्यान आकृष्ट होम' लगलनि । ओ इहो देखलनि जे अङरेजी शिक्षा-प्रणाली मध्य अङरेजीकेँ – जे एकटा जनताक जीवित भाषा छल-एतेक क्षमता छलैक जे मस्तिष्क ओ बुद्धिकेँ परिपक्व क' सकैत छल । आ' तखनो ताही भावनासँ अपनो मातृभाषाक प्रति लोकमे विशेष विश्वास जागल । लोक बुझ' लागल जे अपन मातृभाषा द्वारा बुद्धिक विकास समुचित रूपेँ भ' सकैछ, मातृभाषाक साहित्योसँ लोक शिक्षित भ' सकैछ । ततबे नहि विचार उठ' लगलैक जे अङरेजी शिक्षासँ अङरेजीकेँ हँटा देल जाय कारण, मातृभाषा द्वारा बच्चाकेँ कमसँ कम समयमे अधिकसँ अधिक ज्ञान ओ बुद्धि देल ओ सिखाओल जा सकैछ । एहि सभ धारणाक परिणाम भेल जे क्रमश: लोकमे निज भाषा साहित्यक अध्ययन ओ अध्यापन, मनन ओ अनुशीलन, उपादेय, अनिवार्य तथा उचित बुझल जाय लागल ।

एहि सम्बन्धमे ई कहब आवश्यक अछि जे मैथिलीक हेतु ई बड़ दुखक विषय भेल जे मातृभाषाक स्थानपर अनेक माध्यम द्वारा, मिथिला – वासी समस्त जनताक उपर हिन्दी बलपूर्वक लादि देल गेल यद्यपि आइयो एहि गुरुतर दुर्भाग्यक छायासँ मिथिला सर्वथा मुक्त नहि भेल अछि तथापि आब जनता जाग्रत अछि, अपन अधिकारकेँ चीन्हि रहल अछि, अपन स्वत्वकेँ पयबाक हेतु सन्नद्ध अछि ।

71. अङरेजी शिक्षामे मुख्यस्थान देल जाइत छैक

(A) राजभाषाकेँ

(B) राष्ट्रभाषाकेँ

(C) शिष्टभाषाकेँ

(D) जनभाषाकेँ

72. मिथिलामे बहुत देरीसँ प्रचलित भेल

(A) अङरेजी शिक्षा

(B) संस्कृत शिक्षा

(C) हिन्दी शिक्षा

(D) फारसी शिक्षा

73. अङरेजी शिक्षाएँ शिक्षित जनतामे विशेषत: ध्यान आकृष्ट होम' लगलनि

(A) संगीत – शिक्षा दिस

(B) संस्कृति – सभ्यता दिस

(C) भाषा – साहित्य दिस

(D) कला – कौशल दिस

74. बच्चाकेँ कमसँ कम समयमे अधिकसँ अधिक ज्ञान देल जा सकैछ

(A) लोकभाषा द्वारा

(B) मातृभाषा द्वारा

(C) राष्ट्रभाषा द्वारा

(D) अपभाषा द्वारा

75. अपन स्वत्वकेँ पयबाक हेतु अछि

(A) सन्नद्ध

(B) उदासीन

(C) विमुख

(D) अनठौने

Space For Rough Work